विधान परिषद के प्रथम सत्र, 2022 के प्रथम गुरूवार के लिये निर्धारित श्री दीपक सिंह, मा0 सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछे गये तारांकित प्रश्न संख्या-20 का उत्तर।

<table>
<tr><th>प्रश्न</th><th></th><th>उत्तर</th></tr>
<tr><td>20(क)</td><td>क्या आयुष मंत्री बतायेंगे कि प्रदेश के सभी आयुर्वेदिक अस्पतालों में डॉक्टर/स्टाफ की कमी है?</td><td>जी नहीं।
प्रदेश में कुल 2110 राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय संचालित है, जिनमें निम्नानुसार चिकित्सक/स्टाफ कार्यरत हैं :
<table>
<tr><th rowspan="2">क्र0 सं0</th><th rowspan="2">पदनाम</th><th rowspan="2">स्वीकृत पद</th><th colspan="2">भरे पद</th><th rowspan="2">रिक्त पद</th></tr>
<tr><th>नियमित रूप से भरे पद</th><th>संविदा/ आउट सोर्सिंग से भरे पद</th></tr>
<tr><td>1</td><td>चिकित्साधिकारी</td><td>2224</td><td>1613</td><td>36</td><td>575</td></tr>
<tr><td>2</td><td>फार्मासिस्ट</td><td>2100</td><td>1348</td><td>-</td><td>752</td></tr>
<tr><td>3</td><td>स्टाफ नर्स</td><td>479</td><td>287</td><td></td><td>192</td></tr>
<tr><td>4</td><td>चतुर्थ श्रेणी</td><td>5319</td><td>3732</td><td>985</td><td>602</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>(ख)</td><td>यदि हाँ, तो प्रदेश में कितने हास्पिटल स्थापित हैं व कितने अस्पतालों में डॉक्टर/स्टाफ पूर्ण हैं तथा कितने अस्पतालों में डॉक्टर/स्टाफ की कमी है?</td><td>विभाग के अन्तर्गत प्रदेश में कुल 2110 राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय संचालित हैं, जिनमें कुल 402 चिकित्सालयों में चिकित्सक/स्टाफ पूर्ण है तथा निदेशालय के परिपत्र संख्या-162/18ए-536/2020 अधि0, दिनांक 20.01.2021 द्वारा जिन आयुर्वेदिक चिकित्सालयों में चिकित्साधिकारी/स्टाफ पूर्ण नहीं है वहां पर निकटस्थ चिकित्सालयों के चिकित्सकों/ स्टाफ को अतिरिक्त प्रभार सौंप कर चिकित्सालय का संचालन करते हुये जनसामान्य को आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का सम्पूर्ण लाभ प्रदान किया जा रहा है।</td></tr>
<tr><td>(ग)</td><td>उक्त का सम्पूर्ण विवरण सदन की मेज पर रखेंगे?</td><td>जी हाँ, उपरोक्तानुसार।</td></tr>
<tr><td>(घ)</td><td>यदि नहीं, तो क्यों?</td><td>प्रश्न ही नहीं उठता।</td></tr>
</table>

डा0 दयाशंकर मिश्र "दयालु"
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)